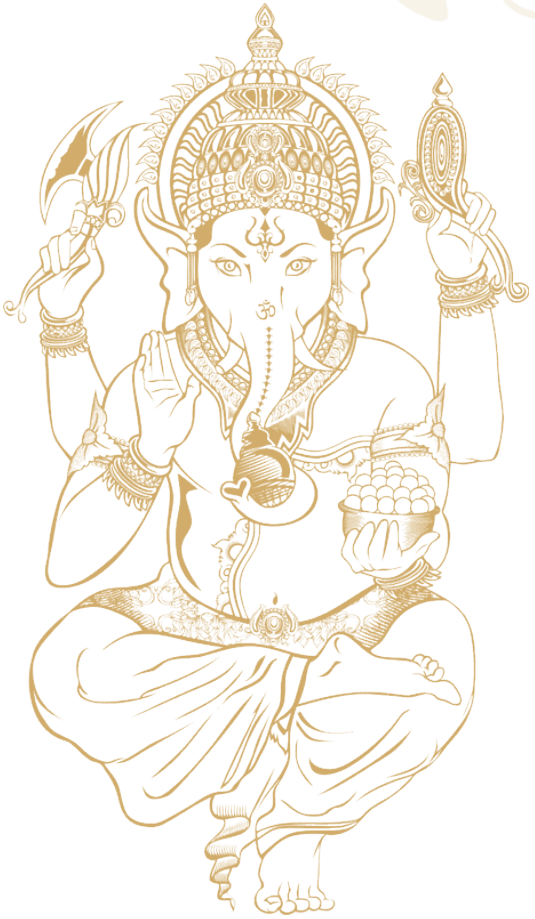

Shiv Basahi

06 Nov 2004

01:45 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120159304

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**5-06/11/2004**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**01:45:00 घंटे**
इष्ट	47:51:23 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:23:52 घंटे
वेलान्तर	00:16:26 घंटे
साम्पातिक काल	04:25:27 घंटे
सूर्योदय	06:36:26 घंटे
सूर्यास्त	17:32:55 घंटे
दिनमान	10:56:29 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	19:50:07 तुला
लग्न के अंश	15:19:02 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 3**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	शुक्ल
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डे-डेम
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

पंडित विजय प्रकाश ढौंडियाल
शिव मंदिर,बी-ब्लॉक लोक विहार, पीतम पुरा न्यू दिल्ली -110034
9350991829
vijayprakash.dhaundiyal@gmail.com

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	15:19:02	314:59:41	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	---
सूर्य			तुला	19:50:07	01:00:11	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	नीच राशि
चंद्र			कर्क	26:29:10	12:10:53	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	गुरु	स्वराशि
मंगल			तुला	02:30:55	00:39:43	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	केतु	सम राशि
बुध			वृश्चि	07:50:16	01:25:14	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	सम राशि
गुरु			कन्या	14:47:26	00:11:43	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कन्या	15:33:38	01:13:06	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	नीच राशि
शनि			कर्क	03:24:56	00:00:17	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	शत्रु राशि
राहु			मेष	08:08:43	00:00:03	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	शत्रु राशि
केतु			तुला	08:08:43	00:00:03	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	सम राशि
हर्ष	व		कुंभ	08:57:55	00:00:18	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
नेप			मक	18:43:41	00:00:25	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	26:46:11	00:01:54	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	---
दशम भाव			वृष	14:11:50	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:19

लग्न-चलित

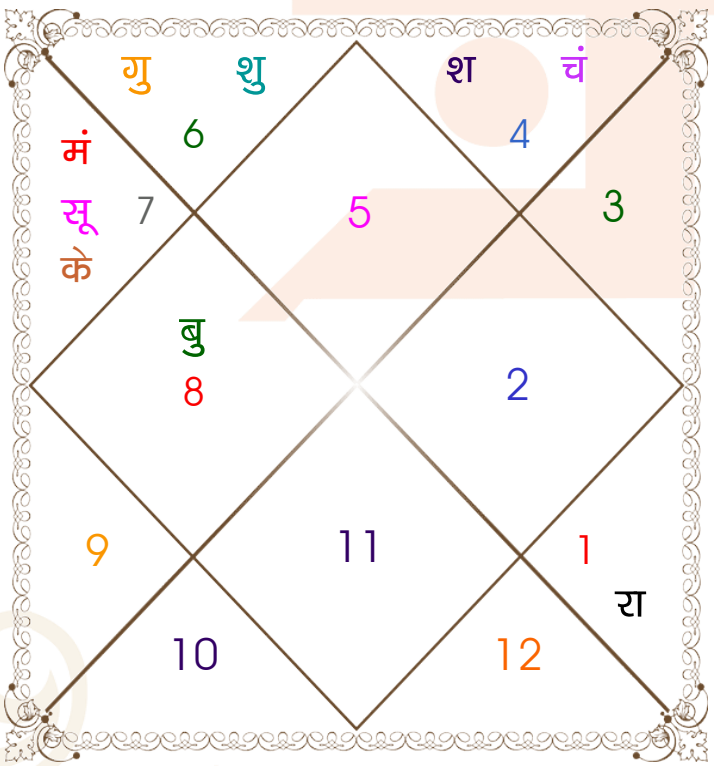

चन्द्र कुंडली

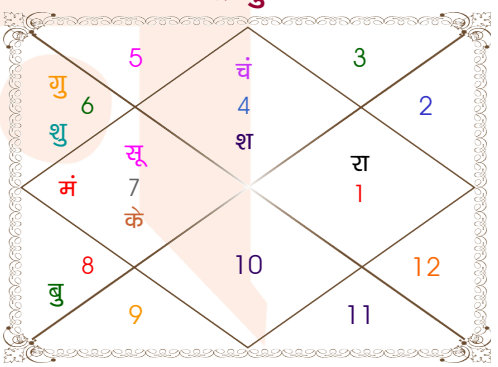

नवमांश कुंडली

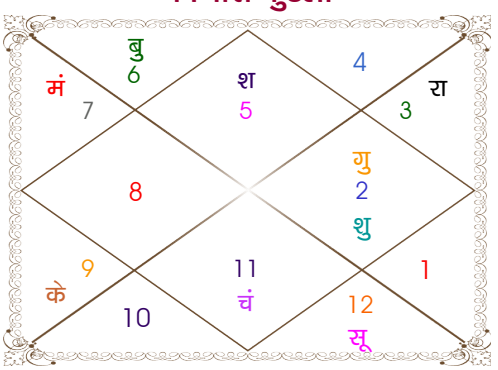

पंडित विजय प्रकाश ढौंडियाल
शिव मंदिर,बी-ब्लॉक लोक विहार, पीतम पुरा न्यू दिल्ली -110034
9350991829
vijayprakash.dhaundiyal@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 4 वर्ष 5 मास 23 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
06/11/2004		30/04/2009		30/04/2016		30/04/2036		30/04/2042	
30/04/2009		30/04/2016		30/04/2036		30/04/2042		30/04/2052	
	00/00/0000	केतु	26/09/2009	शुक्र	30/08/2019	सूर्य	17/08/2036	चंद्र	01/03/2043
	00/00/0000	शुक्र	26/11/2010	सूर्य	29/08/2020	चंद्र	16/02/2037	मंगल	30/09/2043
	00/00/0000	सूर्य	03/04/2011	चंद्र	30/04/2022	मंगल	24/06/2037	राहु	31/03/2045
	00/00/0000	चंद्र	02/11/2011	मंगल	30/06/2023	राहु	18/05/2038	गुरु	31/07/2046
	00/00/0000	मंगल	30/03/2012	राहु	30/06/2026	गुरु	07/03/2039	शनि	29/02/2048
	00/00/0000	राहु	18/04/2013	गुरु	28/02/2029	शनि	17/02/2040	बुध	30/07/2049
	06/11/2004	गुरु	25/03/2014	शनि	30/04/2032	बुध	23/12/2040	केतु	28/02/2050
गुरु	21/08/2006	शनि	04/05/2015	बुध	01/03/2035	केतु	30/04/2041	शुक्र	30/10/2051
शनि	30/04/2009	बुध	30/04/2016	केतु	30/04/2036	शुक्र	30/04/2042	सूर्य	30/04/2052

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
30/04/2052		30/04/2059		30/04/2077		30/04/2093		01/05/2112	
30/04/2059		30/04/2077		30/04/2093		01/05/2112		00/00/0000	
मंगल	26/09/2052	राहु	11/01/2062	गुरु	18/06/2079	शनि	03/05/2096	बुध	27/09/2114
राहु	14/10/2053	गुरु	05/06/2064	शनि	29/12/2081	बुध	11/01/2099	केतु	25/09/2115
गुरु	20/09/2054	शनि	12/04/2067	बुध	05/04/2084	केतु	20/02/2100	शुक्र	25/07/2118
शनि	30/10/2055	बुध	30/10/2069	केतु	12/03/2085	शुक्र	22/04/2103	सूर्य	01/06/2119
बुध	26/10/2056	केतु	17/11/2070	शुक्र	11/11/2087	सूर्य	03/04/2104	चंद्र	30/10/2120
केतु	24/03/2057	शुक्र	17/11/2073	सूर्य	29/08/2088	चंद्र	03/11/2105	मंगल	28/10/2121
शुक्र	25/05/2058	सूर्य	12/10/2074	चंद्र	29/12/2089	मंगल	12/12/2106	राहु	16/05/2124
सूर्य	29/09/2058	चंद्र	11/04/2076	मंगल	05/12/2090	राहु	18/10/2109	गुरु	07/11/2124
चंद्र	30/04/2059	मंगल	30/04/2077	राहु	30/04/2093	गुरु	01/05/2112		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 4 वर्ष 5 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

पंडित विजय प्रकाश ढौंडियाल
शिव मंदिर,बी-ब्लॉक लोक विहार, पीतम पुरा न्यू दिल्ली -110034
9350991829
vijayprakash.dhaundiyal@gmail.com

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। सिंह लग्नोदय काल ही सिंह राशि का नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। आपका जन्म प्रभाव यह प्रमाणित कर रहा है कि आपका जीवन सर्वोत्तम प्रकार से व्यतीत होगा। ऐसा तो आपके जीवन का 28 वें वर्ष से आपका समय अच्छे होने लग जाएंगे। आयु के 28 वें वर्ष से 32 वें वर्ष की आयु तक का समय बहुत ही उत्तम एवं अनुकूल होगा।

आपके जीवन का बृहत्तर भाग मखमली अर्थात् ''पांचों उंगुली घी में'' जैसा लाभजनक रहेगा। इस समय आपके जीवन के सभी आवश्यक पक्ष संतोषजनक रहेंगे। आपके लिए सौभाग्य प्रदान करने वाला ऐसा समय हस्तगत होगा कि आप मिट्टी छूओ तो सोना बन जाएगा और आप जिस कार्य को हस्तगत कर लोगी उसी में सफल हो जाओगी।

आप इस बात को अच्छी प्रकार जानती हैं कि लोगों के साथ धन संपत्ति का लेन-देन अर्थात् आदान प्रदान कैसे करेंगी। आपमें यह सामार्थ्य निहित है कि लोगों को अपने पक्ष में लेकर, दूसरों पर किस प्रकार प्रशासन करेंगी। आप किस प्रकार लोगों से सहयोग प्राप्त कर प्रचूर मात्रा में लाभान्वित होंगी तथा आपका कार्य व्यवधान रहित होकर प्रगति करेगा। जब आप किसी को वस्तु उधार दे देती हैं और कोइ समस्या उत्पन्न हो जाती है। आप धैर्यपूर्वक संपर्क स्थापित कर समस्या का समाधान कर उस धन या वस्तु को प्राप्त कर लेती हैं।

आप में एक अन्य प्रकार की भव्य क्षमता विद्यमान हैं। वह यह है कि आप यह जानती हैं कि आप अपने से उच्च अधिकारी को किस प्रकार प्रभावित करेंगी तथा सर्वोच्च अधिकारी से संपर्क अर्थात् सानिध्यता प्राप्त कर लेती हैं। परिणाम स्वरूप आप लाभप्रद, अधिकारपूर्ण पद प्रतिष्ठा प्राप्त कर लेंगी। यथा कंपनी का प्रबंधक, अथवा किसी भी निगम और परिषद का निर्देशक पद आदि। आप निश्चित समय पर ऐसी युक्ति पूर्ण चाल को अच्छी प्रकार अपने अधिकारी के पास प्रस्तुत कर देंगी। ताकि आप की चाल सफल हो जाती है। आप में एक अच्छे नेता के गुण विद्यमान है।

आप अनेक कलाओं की ज्ञाता एवं सक्षम हैं। आप किसी भी समस्या का समाधान निकाल लेने में तथा किसी भी विरोधात्मक परिस्थिति को पार कर लेने में सक्षम है तथा विरोधियों को परास्त कर सकती हैं। आप अपने किसी भी शत्रुओं के साथ संघर्ष करके विजय श्री प्राप्त करेंगे।

आपकी प्रभावशाली उपस्थिति हाव-भाव तथा आकर्षण विपरीत योनि के प्राणी के साथ रहेगा। जिस प्रकार चुंबक अपने आकर्षण शक्ति का प्रभाव लौह पर दिखाता है। उसी प्रकार आपके आकर्षण से पुरुष वशीभूत हो जाया करेंगे। आपकी इस प्रकार की प्रवृति से आपका समय आनंददायक प्रतीत होता है। परंतु इस प्रकार की प्रवृत्ति तथा कार्य कलाप से आपका पारिवारिक जीवन बाधित हो सकता है। आपके पास पति बच्चे एवं आनंददायक भवन का सुख उपलब्ध हो सकता है। अस्तु निरंतर इस पथ पर नहीं चलें। आपके साथ ऐसी समस्या जुडी है कि आप पूर्णरूपेण विश्राम नहीं कर पाती । उत्तम स्वास्थ्य के लिए आपको सतर्क रहना चाहिए।

आप सदैव अनेक प्रकार के कार्यक्रमों में सम्मिलित होने के लिए एक साथ प्रस्थान करती हैं। आपके द्वारा घोर परिश्रम किए जाने से स्नायुविक शक्तियां बुरी तरह पूर्ण रूपेण प्रभावित हो रही हैं। इस प्रकार कुछ समय वर्षों के पश्चात् आपको ह्रदय से संबंधित समस्याएं, गांठ-गांठ में तथा रीढ़ की हड्डियों में दर्द, रक्तचाप रोगादि से कष्ट समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु विश्राम भी ग्रहण किया करें।

आप सदैव अपनी एवं अपने परिवार की प्रतिष्ठा के प्रति सतर्क रहती हैं। चाहे कुछ भी हो जाए आप इस बात के लिए किसी भी परिस्थिति में कोई भी समझौता करने को तैयार नहीं हो सकती हैं।

आपके लिए उपयुक्त कार्यव्यवसायों में राजकीय केंद्रीय सरकार की सेवा के अतिरिक्त ट्रांसपोर्ट व्यवसाय, होटल उद्योग अथवा फोटोग्राफी व्यवसाय आदि अनुकूल है।

आपके लिए नारंगी रंग, लाल एवं हरा रंग अनुकूल है। परंतु नीला, सफेद एवं काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक भाग्यशाली अंक है, परंतु आपके लिए अंक 2, 7 एवं 8 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।